web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

Social Justice Union — Govt. Registered

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 25 जुलाई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 297

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

डब्लूएचओ ने मंकीपॉक्स वायरस को घोषित किया वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल

दिल्ली में भी मंकीपॉक्स की दस्तक, डब्लूएचओ ने दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों से सर्विलांस बढ़ाने को कहा

नई दिल्ली । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। साथ ही, डब्ल्यएचओ ने यह भी आशंका जताई है कि यह बीमारी दुनिया के बाकी देशों में भी फैल सकती है। डब्लूएचओ का कहना है कि यूरोप को छोडक़र दुनिया के बाकी क्षेत्रों में इस बीमारी का खतरा सामान्य (मॉडरेट) है जबकि यूरोप में इस बीमारी का खतरा काफी ज्यादा आंका गया है। आपको बता दें कि अब भारत में भी मंकीपॉक्स के कुछ मामले सामने आ चुके हैं।

डब्लूएचओ का मानना है कि दुनियाभर में मंकीपॉक्स का खतरा सामान्य है लेकिन यूरोप में इसका खतरा सबसे ज्यादा है। यह भी खतरा है कि यह पूरी दुनिया में फैल सकता है। कई देशों ने जानकारी दी है कि उनके यहां मंकीपॉक्स वायरस तेजी से फैला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह भी कहना है कि ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित करने के लिए ज़रूरी तीनों शर्तें मंकीपॉक्स ने पूरी कर दी हैं। मंकीपॉक्स लगातार कई देशों में फैल रहा है। इसे देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बीमारी को हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है। इसके साथ ही रविवार को डब्ल्यूएचओ ने दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों से मंकीपॉक्स को लेकर सर्विलांस बढ़ाने और जरूरी कदम उठाने को कहा है।

वहीं देश की राजधानी दिल्ली में मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया है। इस मरीज की कोई विदेशी कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। इससे पहले केरल में मंकीपॉक्स के तीन मरीज मिल चुके हैं। ये तीनों ही मरीज यूएई से लौटे थे और वहीं पर ये किसी संक्रमित के संपर्क में आए थे। दिल्ली में मिला नया मरीज मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती है।

वहीं डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्वी एशिया क्षेत्र की रीजनल डायरेक्टर डा. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि मंकीपॉक्स जिस रफ्तार से फैल रही है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया है। बता दें कि विश्व के 80 देशों में अब तक 17 हजार से ज्यादा मंकीपॉक्स के मामले सामने आ चुके हैं।

देश में बढ़ते मंकीपॉक्स के मामलों से केंद्र की चिंता बढ़ी, बुलाई उच्चस्तरीय बैठक

देश में मंकीपॉक्स के मामलो में बढ़ोतरी शुरु हो गई है। अब तक देश में चार मामले सामने आ चुके है। वहीं, दिल्ली में भी आज एक संक्रमित मिलने से अब पूरे देश में हडक़ंप मच गया है। इस बीच केंद्र सरकार ने मंकीपॉक्स केसों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। इस बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य एवं विज्ञान मामलों के महानिदेशक कर रहे थे। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के अलावा राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और आईसीएमआर के अधिकारी भी शामिल रहे। गौरतलब है कि दिल्ली में आज 31 वर्षीय व्यक्ति मंकीपॉक्स से संक्रमित निकला। चौंकाने वाली बात यह है कि उसका कोई यात्रा इतिहास नहीं है। इसे बुखार और त्वचा के घावों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह मरीज मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। देश में मंकीपॉक्स का पहला मामला 14 जुलाई को दक्षिण केरल के कोल्लम जिले में सामने आया था। वहीं दूसरा मामला 18 जुलाई को और तीसरा मामला 22 जुलाई को केरल में ही सामने आया था। तीनों शख्स विदेश की यात्रा कर लौटे थे। बीते दिनों केरल सरकार ने बढ़ते मंकीपॉक्स के मामलों को देखते हुए एसओपी जारी कर दिया था। इसके अनुसार, अगर निकट संपर्क में आए व्यक्ति को बुखार हो, तो उन्हें आइसोलेटेड किया जाए और यदि उनके शरीर पर लाल धब्बे दिखाई देते हैं, तो उनके नमूने मंकीपॉक्स की जांच के लिए भेज जाएं। राज्य में कम्युनिटी स्प्रेड की संभावना नहीं है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की रफ्तार हुई तेज

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की रफ्तार लगातार बढ़ते जा रही है। शनिवार को 511 संक्रमित और एक व्यक्ति की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार रायपुर में 79, दुर्ग में 73, राजनंदगांव में 69 समेत अन्य जिलों के मरीज हैं। राज्य में 3830 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। कोरोना नियंत्रण अभियान राज्य नोडल अधिकारी डा. सुभाष मिश्रा बताया कि एक बार फिर से कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। लापरवाही हुई तो इसे तेज होने में समय नहीं लगता है। इसलिए कोरोना जांच पर विशेष जोर दिया जा रहा है। रेलवे स्टेशन, अंतरराज्यीय बस अड्डा एयरपोर्ट के साथ ही अस्पतालों में भर्ती मरीजों व अन्य की भी कोरोना जांच की जा रही है।पिछले माह जून में 30 दिनों में 1729 संक्रमित मिले थे। वहीं जुलाई माह में 18 दिनों में ही 4980 संक्रमित मिले हैं। संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी जिलों को अलर्ट कर दिया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

विश्वनाथ मंदिर में आपस में भिड़े श्रद्धालु और सेवादार, जमकर हुई मारपीट

काशी (आरएनएस)। सावन के महीने में काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रोजाना बढ़ती जा रही है। दर्शन के लिए कई घंटों तक कतार में खड़े होना पड़ता है। इसी के चलते तमाम प्रबंधों के बावजूद भीड़ को काबू करना मुश्किल हो रहा है। बीते दिन ही मंदिर के गर्भगृह में अब मारपीट तक की नौबत आ गई। शनिवार शाम काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में सप्तर्षि आरती का समय हो रहा था। गर्भगृह को बंद कराया जा रहा था कि उसी समय दो दर्शनार्थी गर्भगृह में प्रवेश को लेकर और दर्शन करने की जिद पर सेवादारों से उलझ गए। इतना ही नहीं मंदिर के सेवादारों और दर्शनार्थियों के बीच गर्भगृह के भीतर ही मारपीट भी शुरू हो गई। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पटाखा फैक्ट्री में बलास्ट होने से इमारत गिरी, एक के बाद एक हुए धमाको में तीन लोगों की मौत

छपरा (आरएनएस)। बिहार के छपरा के खैरा थाना क्षेत्र के खोदाईबाग बाजार से सटे खोदाईबाग गांव में रविवार की सुबह लगभग 10 बजे हुए पहले धमाका के बाद रुक-रुक कर दोपहर एक बजे तक धमाका होता रहा। इस घटना में तीन लोगों के मौत हो गई है। छपरा जिले के खैरा क्षेत्र की यह घटना बताई जा रही है। प्राप्त सूचना के मुताबिक खैरा थाना क्षेत्र के खोदाईबाग गांव में यह घटना हुई है। पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट होने से एक इमारत गिर गई है। इमारत के मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। बम का धमाका खोदाईबाग गांव निवासी मोहम्मद रेयाजू मियां के घर में हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार रेयाजू मियां आतिशबाजी के लिए पटाखे बनाता है। वह शादी-विवाह सहित अन्य खुशी के मौके पर आतिशबाजी के लिए पटाखे बेचता है। लेकिन रविवार को हुए विस्फोट से अनुमान लगाया जा रहा है कि रियाजुल मियां के घर में काफी शक्तिशाली विस्फोटक तैयार किया गया था। एक बजे के बाद बाद मकान से तीन शव बाहर निकाले गए लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी। बताया गया कि रेयाजू मियां एवं उसके भाई शब्बीर मियां का परिवार एक ही मकान में रहता था। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि मरने वाली की संख्या बढ़ सकती है। मिली जानकारी के मुताबिक यहां अवैध बारूद का भी कारोबार होता रहा है। हालांकि मामले की छानबीन अभी चल रही है। पुलिस जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन और कार के बीच जोरदार टक्कर, एक ही परिवार के 5 लोगों की दर्दनाक मौत

कोप्पल (आरएनएस)। कर्नाटक के कोप्पल में एक अज्ञात वाहन और कार के बीच जोरदार टक्कर हुई जिसमें चार महिलाओं समेत एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार से टक्कर मारकर मौके से फरार हुए आरोपी ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। घटना बीती देर रात कर्नाटक के कोप्पल जिले के कुकानुरु तालुक के भानपुरा में हुई। मृतकों की पहचान देवप्पा कोप्पाडा (62), गिरिजाम्मा (45), पर्व (32), शांतम्मा (22) और कस्तूरम्मा के रूप में हुई है। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हर्षवर्धन, पल्लवी, पुत्तराजू और भूमिका को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, परिवार के सदस्य जन्मदिन की पार्टी में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। पुलिस ने मौके से कार से टकराने वाले वाहन का मड गार्ड बरामद कर लिया है और ड्राइवर तक पहुंचने के लिए सुराग जुटा रही है। शहर में टिपर लॉरी की आवाजाही ज्यादा है। पुलिस इस दुर्घटना में टिपर लॉरी के शामिल होने की आंशका जता रही है। टक्कर इतनी जोरदार थी, कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। शवों को बाहर निकालने में मुश्किलें हुई। मामले में आगे की जांच जारी है।

असम के 19 लापता श्रमिकों में से 8 अरुणाचल के जंगल में मिले

ईटानगर (आरएनएस)। अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले में भारत-चीन सीमा के पास लापता हुए असम के 19 श्रमिकों में से आठ को 18 दिनों के बाद जंगल से बचा लिया गया है। अधिकारियों ने शनिवार रात यह जानकारी दी। कुरुंग कुमे के उपायुक्त बेंगिया निघी ने कहा कि बचाए गए सभी आठ श्रमिकों की हालत गंभीर है और शुक्रवार की रात घने जंगल से निकाले जाने के बाद एक मेडिकल टीम उनकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी कर रही है। भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर को प्रशासन ने मंगाया था, लेकिन खराब मौसम के कारण अपने पायलटों के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद दामिन सर्कल में ठीक से खोज नहीं कर सका। डीसी ने कहा, शेष 11 लोग अभी भी लापता हैं और आठ बचाए गए मजदूरों के प्रारंभिक बयानों के अनुसार, उनमें से चार मारे गए हैं, और दो नदी में गिर गए थे। हमारी बचाव टीम ने शवों को बरामद या देखा नहीं था। राज्य सरकार ने बचाए गए श्रमिकों को ईटानगर के पास नाहरलगुन ले जाने का अनुरोध किया, जहां उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर, जिसने शनिवार को शेष 11 श्रमिकों के लिए तलाशी अभियान चलाया था, को निकासी में इस्तेमाल किए जाने की संभावना थी। निघी ने कहा, श्रमिकों के ठीक होने के बाद उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। वे थके हुए और कमजोर पाए गए। हमने उन्हें भोजन, पानी और दवाएं दीं। खुद बचाव अभियान की निगरानी कर रहे डीसी ने कहा कि पांच जुलाई की रात हुरी में अपने परियोजना स्थल शिविर से भागने के बाद, 19 मजदूर जहरीले सांपों और जंगली जानवरों से भरे घने जंगल में प्रवेश कर गए थे। इसके बाद, कार्यकर्ता आठ और 11 के दो समूहों में विभाजित हो गए, और 11 का दूसरा समूह एक अलग दिशा में चला गया।

एलओसी पर पाकिस्तानी सेना के लिए बंकर बना रहा चीन, सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को किया अलर्ट

नई दिल्ली । आरएनएस

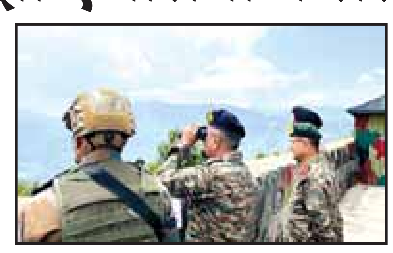

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को जानकारी दी है कि एक चीनी निर्माण कंपनी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अपना कार्यालय स्थापित किया है। साथ ही मुजफ्फराबाद और अथमुकम से सटे क्षेत्रों में हो रहे कार्यों को नियंत्रित कर रही है।

एजेंसियों ने कहा कि चीनी कंपनी मई से पाकिस्तानी सेना के लिए बंकरों का नवीनीकरण और नए निर्माण कर रही है। चीनी कंपनियों ने पहले भी पीओके में निर्माण किया है, लेकिन यह पहली बार है जब एलओसी पर इस तरह की परियोजना शुरू की गई है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र पीओके की नीलम घाटी से सटे केल सेक्टर में पाकिस्तानी सेना 32 डिवीजन के अंतर्गत आता है।

बीजिंग ने पहले अपने जवानों और मशीनों को राजस्थान में बीकानेर के सामने पाकिस्तानी धरती पर भेजा था। यहां एक फॉरवर्ड एयरबेस को अपग्रेड किया गया था और 350 से अधिक स्टोन बंकरों और सीमा चौकियों का नवीनीकरण किया गया था।

बता दें कि पाकिस्तान का करीबी सहयोगी चीन इससे पहले भी कई मौकों पर सुर में सुर मिला चुका है। भारत ने अगले साल जम्मू और कश्मीर में जी-20 नेताओं की बैठक आयोजित करने की योजना बनाई है। भारत के इस कदम को लेकर चीन ने पाकिस्तान के साथ मिलकर आपत्ति जताई थी। ड्रैगन ने अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान के स्वर में स्वर मिलाते हुए कहा कि संबंधित पक्षों को मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से बचना चाहिए।

जम्मू कश्मीर 2023 में जी-20 की बैठकों की मेजबानी करेगा। इस प्रभावशाली समूह में विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। जम्मू कश्मीर प्रशासन ने समग्र समन्वय के लिए पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति बनाई है। जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लिये जाने के बाद यहां प्रस्तावित यह पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय बैठक होगी। पाकिस्तान ने इसका विरोध किया है। पाक का कहना है, ''पाकिस्तान भारत के ऐसे किसी प्रयास को पूरी तरह खारिज करता है।''

सांसद अफजाल अंसारी की 14.90 करोड़ की संपत्ति कुर्क

- डीएम के आदेश के बाद एसपी ने कई थानों की फोर्स के साथ की कार्रवाई
- भांवरकोल के माचा नसीरपुर, धनेठा, नरसिंहपुर और खरडीहा में पहुंची पुलिस
- पुलिस की इस कार्रवाई से जिले में एक बार फिर मची खलबली

गाजीपुर (आरएनएस)। बसपा सांसद एवं मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी की संपत्तियों पर रविवार को पहली बार कुर्की की कार्रवाई हुई। गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अफजाल अंसारी पर भांवरकोल थाने में 2007 में दर्ज गैंगस्टर एक्ट में डीएम एमपी सिंह की कोर्ट ने संपत्ति कुर्की का आदेश जारी किया। इसके बाद एसपी रोहन पी बोत्रे ने कई थानों की फोर्स के साथ जाकर कुर्की की कार्रवाई की। इसको लेकर जिले की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। हालांकि इस कार्रवाई के बाद सांसद का बयान अभी तक नहीं आया है।

एसपी ने बताया कि अफजाल अंसारी की माचा नसीरपुर, धनेठा, नरसिंहपुर और खरडीहा में संपत्तियों की कुर्की की गई। इन संपत्तियों को सांसद अफजाल अंसारी ने स्थानीय लोगों से 2005-08 के बीच खरीदा था। इसमें कुछ भूखंड पर उनकी पुत्रियों का नाम भी दर्ज है। प्रशासन की ओर से कुर्की के दौरान इसकी कीमत 14 करोड़ 90 लाख रुपये आंकी गई। अवैध तरीके से खरीद फरोख्त कर दाखिल खारिज न कराना व दान अभिलेख तैयार कराकर पुत्रियों को दान कर देने का मामला भी सामने आया है। जिलाधिकारी एमपी सिंह ने 22 जुलाई को पारित कुर्की आदेश धारा 14 (1) उत्तर प्रदेश गिरोह बंध एवं समाज विरोधी अधिनियम 1986 विरुद्ध अभियुक्त अफजाल अंसारी पुत्र सुभानुल्लाह अंसारी निवासी युसुफपुर थाना मुहम्मदाबाद द्वारा अवैध ढंग से अर्जित की गई। 2 फरवरी 2011 को मौजा मांचा परगना व तहसील मुहम्मदाबाद में अराजी नं.-159 रकबा 2.506 व अराजी नं.- 142 रकबा 0.564 में से 1,3 अर्थात 1.04133 हेक्टेयर भूमि जिसकी कीमत 42 लाख 68 हजार सौ रुपये, 11 जनवरी 2017 को अभियुक्त अफजाल अंसारी द्वारा अपने नाम से पनेठा परगना व तहसील मुहम्मदाबाद में अराजी नंबर 278 रकबा 0.336 हेक्टेयर अराजी नंबर 282 रकबा 0.298 हेक्टेयर अराजी नंबर- 283 रकबा 0.263 हेक्टेयर अराजी नंबर-250 रकबा 0.865 हेक्टेयर में कुल 1.762 हेक्टेयर भूमि तथा 284, 285, 289, 292, 293, 295 में कुल 2.561 हेक्टेयर क्रय भूमि जिनकी कुल कीमत 2 करोड़ 52 लाख 11 हजार 100 रुपये। 11 जनवरी 2017 को अभियुक्त अफजाल अंसारी उपरोक्त द्वारा मौजा नरसिंहपुर तरयी परगना व तहसील मुहम्मदाबाद के अराजी नंबर 12, 14 व 15, 16 में से कुल रकबा 0.642 हेक्टेयर क्रय भूमि जिसकी किमत 45 लाख 72 हजार 02 सौ रुपये मात्र। 9 सितंबर 2015 को अभियुक्त उपरोक्त द्वारा मौजा खरडीहा परगना मुहम्मदाबाद में अराजी नं.-91 रकबा 2.603 हेक्टेयर क्रय भूमि जिसकी कीमत 1 करोड़ 06 लाख 72 हजार रुपये मात्र जिसका दान अभिलेख तैयार कराकर अपनी पुत्रियो को दान कर देना शामिल है। अवैध तरीके से खरीद फरोख्त कर दाखिल खारिज न कराना व दान अभिलेख तैयार कराकर दान कर देने से संबंधित उपरोक्त अचल भू-संपत्ति को गाजीपुर पुलिस प्रशासन ने कीमत 14,90,00000 रुपये की भू-संपत्ति को मुनादी कराकर कुर्की की कार्रवाई की।

उत्तरकाशी : भूकंप के तेज झटके से दहशत, 5 दिन में 2 बार डोली धरती

देहरादून (आरएनएस)। उत्तरकाशी जनपद की धरती एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों हिल उठी। रविवार को दोपहर 12.37 मिनट पर आए भूकंप के तीव्र झटकों से उत्तरकाशी के लोग भयभीत हो उठे। लोग भय के मारे घरों से बाहर निकल गए। भूकंप के झटके काफी तीव्र थे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.6 मापी गई है।जिसका केंद्र भटवाड़ी विकासखंड में स्थित जामक गांव के जंगल में कनेथ बताया जा रहा है। पांच दिनों के भीतर उत्तरकाशी दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि जिले में भूकंप से जान माल के नुकसान की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। जनपद मुख्यालय उत्तरकाशी के अलावा मनेरी, मातली, जोशियाड़ा, भटवाड़ी क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जबकि जिले की अन्य तहसील क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस नहीं किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप की डेप्थ (केंद्र) जमीन में 10 किलोमीटर अंदर थी। इससे पूर्व जिले में बीते 19 जुलाई रात को करीब 11.56 पर भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता 2.6 बताई गई। बता दें कि भूकंप, बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं के लिहाज से उत्तरकाशी जनपद संवेदनशील जोन में पड़ता है। उत्तरकाशी के लोगों के जहन में आज भी वर्ष 1991 के प्रलंयकारी भूकंप की यादें ताजा हैं। जब कभी भी भूकंप आता है, उत्तरकाशी के लोग कांप उठते हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने बुंदेलखंड क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के दिए निर्देश

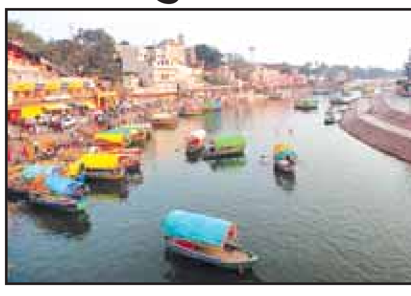

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के पर्यटन विभाग को बुंदेलखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक किलों को पर्यटन के आकर्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया है, ताकि क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। राज्य सरकार ने पहले ही उन किलों की पहचान कर ली है जिन्हें पर्यटन केंद्रों के रूप में पुनर्निर्मित किया जाएगा। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार बांदा जिले में 542 हेक्टेयर में फैले ऐतिहासिक कालिंजर किला को एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित किया जाएगा।

निजी भागीदारों की मदद से इस किले में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां शुरू की जाएंगी। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए लाइट एंड साउंड शो, कैंपिंग, ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग और ऐसे ही अन्य कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। सरकार ने बुंदेलखंड में तहरौली किला, डिगरा किला, चिरगांव किला, लोहागढ़ किला, चंपत राय पैलेस और रघुनाथ राव महल का जीर्णोद्धार करने का भी निर्णय लिया है। किलों का मेकओवर पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर किया जाएगा।

राज्य सरकार परियोजना को क्रियान्वित करने में निजी क्षेत्र का समर्थन करेगी। प्रसिद्ध झांसी किला पहले से ही इस क्षेत्र में एक पर्यटक आकर्षण है, जहां हर महीने बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित और बढ़ावा दिया जाए। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के निर्माण और आगामी रक्षा गलियारा परियोजना के साथ क्षेत्र पहले से ही बुनियादी ढांचे के विकास पर आगे बढ़ रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने भी क्षेत्र में पानी की समस्या का काफी हद तक समाधान किया है।

गोवा : समुद्र तटों पर होगा को-वर्किंग स्पेस की सुविधा, पर्यटक होंगे आकर्षित

पणजी (आरएनएस)। गोवा सरकार ने विशेष रूप से आईटी क्षेत्र के पेशेवरों को आकर्षित करने के लिए समुद्र तटों पर 'को-वर्किंग' को बढ़ावा देने का विकल्प चुना है, ताकि तकनीकी विशेषज्ञ काम करते समय तटीय मौसम का आनंद ले सकें। पर्यटन मंत्री रोहन खुंटे ने सन-सी-सैंड फॉमूर्ला में चौथा 'एस' सॉफ्टवेयर को जोड़ा है। खुंटे के अनुसार, पिछले कुछ सालों में वर्क फ्रॉम होम या किसी एक ऑफिस से काम करने के विकल्प के रूप में को-वर्कि ग की अवधारणा ने उड़ान भरी है। उन्होंने कहा, यह लचीलापन, नेटवर्किंग के मौके और उत्पादकता बढ़ोतरी में लाभ पहुंचाता है। उन्होंने कहा, गोवा क्रिएटिविटी लोगों के लिए पसंदीदा जगह बनती जा रही है। हमें उन्हें जगह मुहैया कराने की जरूरत है। उनके क्रिएटिविटी को समर्थन देने के लिए हम समुद्र तटों पर को-वर्किंग की सुविधा शुरू करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे गोवा की अर्थव्यवस्था में मदद मिलेगी। आईटी इको-सिस्टम भी आगे बढ़ेगा। पर्यटन उद्योग के स्टेकहॉल्डर्स का कहना है कि इस अवधारणा से पर्यटकों को गोवा की ओर आकर्षित करने में मदद मिलेगी, क्योंकि उन्हें यहां से काम करने की सुविधा होगी।